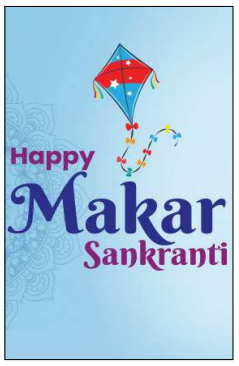

दैनिक

क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 345, सोमवार, 14 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फास्ट न्यूज

अमरोहा में फंदे से लटका मिला चौकीदार का शव

अमरोहा। गजरौला ब्लाक कार्यालय के परिसर में पीछे की ओर बने कमरे में चौकीदार का शव फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। परिजनों में कोहराम मचा है। सुबह घर न पहुंचने पर परिजन ढूंढ़ते हुए कार्यालय पहुंचे, तो घटना का पता चला। हसनपुर के मोहल्ला होलिका निवासी 58 वर्षीय आनंद कुमार गजरौला कार्यालय में स्वीपर-कम-चौकीदार के पद पर तैनात था। रात के समय आनंद कुमार ब्लाक कार्यालय में पीछे की ओर बने एक कमरे में रहते थे और सुबह घर चले जाते थे। शनिवार दोपहर तक आनंद कुमार घर नहीं पहुंचे, तो परिजनों ने फोन किया। फोन पर घंटी जाती रही, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। आनंद कुमार का छोटा बेटा अभिषेक अपने चचेरे भाई के साथ दोपहर करीब डेढ़ बजे ब्लाक कार्यालय पहुंचा। पीछे जाकर कमरे में देखा तो आनंद कुमार का शव फंदे पर लटका था। देखते ही बेटे की चीख निकल गई।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में, बारिश से मिल सकती है राहत

नई दिल्ली। दिल्ली में हवा की धीमी गति के कारण रविवार को वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई जबकि अधिकारियों ने अगले कुछ दिनों में बारिश का अनुमान जताया है जिससे प्रदूषण का स्तर कम हो सकता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़े के अनुसार शहर में कुल वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 416 था जो 'गंभीर' की श्रेणी में आता है। 100और 200 के बीच एक्यूआई को 'मध्यम' श्रेणी में, 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब' जबकि 401 और 500 के बीच एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में आता है। सीपीसीबी ने कहा कि कम से कम 24 इलाकों में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' और सात इलाकों में यह 'बेहद खराब' दर्ज की गई।

बच्चों को जलती स्कूल वैन में छोड़ कर भागने वाला चालक गिरफ्तार

वाराणसी। यूपी के भदोही जिले में शनिवार को जिस स्कूल वैन में आग लगी थी उसके चालक को पुलिस ने धर दबोचा है। वैन में आग लगने के बाद वह मौके से फरार हो गया था। रविवार को मुंबई भागने की फिराक में था। पुलिस ने रविवार दोपहर उसे गोपीगंज के ज्ञानपुर चौराहे से गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया। स्कूल प्रबंधक और गाड़ी मालिक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। चालक मनोज यादव इब्राहिमपुर गांव का निवासी है। बता दें कि शनिवार को भदोही सटे लखनो गांव में घटी इस घटना में 19 बच्चे झुलस गए थे। वैन घरेलू गैस सिलिंडर से चलाई जा रही थी। 30 से 70 फीसदी तक झुलसे 19 बच्चों को बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। इसमें सात की हालत गंभीर है। चार को आईसीयू में रेफर किया जा चुका है, जबकि तीन और को आईसीयू में रेफर करने का सुझाव डॉक्टरों ने दिया है। घटना के बाद से स्कूल प्रबंधक और गाड़ी मालिक फरार है।

केबीसीएल कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

करनाल। लोगों को प्लाट और फ्लैट देने के नाम केबीसीएल इंडिया लिमिटेड कंपनी द्वारा करीब दो करोड़ रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। कंपनी लोगों को ना तो प्लाट दे रही है और ना ही रुपये। लोगों की धमकियां से तंग आकर कंपनी में ही काम करने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने कंपनी के डायरेक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में कई लोगों को ठगी का शिकार बनाया गया है।

लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ विरासत-ए-खालसा

चंडीगढ़। खालसा की जन्म भूमि श्री आनंदपुर साहिब में बनाया गया विरासत-ए- खालसा देश का नंबर- 1 म्यूजियम बन चुका है। लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने देश में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले म्यूजियम के तौर पर इसे दर्ज किया है। उन्होंने फरवरी के प्रकाशन में इसे शामिल करने की पुष्टि पर्यटन विभाग से की है। पर्यटन मंत्री नवजोत सिद्धू ने कहा कि विरासत-ए- खालसा दुनिया भर के पर्यटकों की पहली पसंद बन रहा है। पंजाब के लिए यह मान की बात है कि विरासत-ए -खालसा अब देश में पहले नंबर पर आ गया है। सिर्फ सात सालों में 97 लाख से ज्यादा पर्यटक यहां आए हैं। सिद्धू ने अधिकारियों और स्टाफ को इसके लिए मुबारकबाद दी। उन्होंने बताया कि विरासत- ए- खालसा में 27 गैलरी हैं। इनमें पंजाब की 550 साल की गौरवशाली विरासत को पेश किया गया है। पर्यटकों के लिए सुबह दस से शाम साढ़े चार बजे तक के पास मुहैया कराए जाते हैं। विभाग के सचिव विकास प्रताप ने बताया कि 2011 से अब तक 97.01 लाख लोग विरासत-ए-खालसा के दर्शन कर चुके हैं।

2019 चुनाव: भाजपा के खिलाफ योग्य व धर्मनिरपेक्ष पार्टी के लिए कांग्रेस के दरवाजे खुले

उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस: गुलाम नबी

सपा-बसपा गठबंधन पर कहा-कोई साथ नहीं चलना चाहता तो क्या करें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सपा-बसपा के गठबंधन में जगह नहीं मिलने के बाद कांग्रेस ने रविवार को राज्य की सभी 80 लोकसभा सीटों पर अपने बलबूते चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। हालांकि उसने गठबंधन के दरवाजे अब भी खुले रखते हुए कहा है कि अगर कोई धर्मनिरपेक्ष पार्टी कांग्रेस के साथ चलने को तैयार हो और कांग्रेस यह समझे कि वह भाजपा से लड़ सकती है, तो उसे समायोजित किया जा सकता है। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी गुलाम नबी आजाद ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और भाजपा को हराएगी।

क्या उनकी पार्टी कांग्रेस अब किसी भी दल से गठबंधन नहीं करेगी, सवाल के जवाब में आजाद ने कहा कि अगर कोई धर्मनिरपेक्ष दल कांग्रेस के साथ चलने को तैयार है और कांग्रेस यह समझे कि वह भाजपा से लड़ सकता है तो उसे जरूर समायोजित किया जाएगा। सपा-बसपा गठबंधन में शामिल नहीं किए जाने के बारे में पूछने पर कांग्रेस महासचिव ने कहा कि वह चाहते थे कि उत्तर प्रदेश में गठबंधन में कांग्रेस भी शामिल हो लेकिन अगर कोई साथ नहीं चलना चाहता है तो इसमें कुछ नहीं किया जा सकता। चुनाव के बाद सपा बसपा से गठबंधन के सवाल पर आजाद ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस सभी धर्मनिरपेक्ष क्षेत्रीय पार्टियों का स्वागत करेगी। उन्होंने एक अन्य सवाल पर कहा कि सपा-बसपा गठबंधन में जगह नहीं मिलने से कांग्रेस के कार्यकर्ता कतई निराश नहीं हैं, बल्कि वह कह रहे हैं कि पहले शायद 25 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ते, मगर अब 80 सीटों पर लड़ेंगे। राष्ट्रीय लोक दल से गठबंधन की संभावना के सवाल पर उन्होंने कहा इस बारे में वह मीडिया से कोई बात नहीं करेंगे।

मोदी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा

अगस्त 1947 में एक गलती हुई थी यह कॉरिडोर उसी का है हर्जाना: पीएम

नई दिल्ली। बंटवारे के दौरान करतारपुर साहिब को भारत की सीमा में न ला सकने की अक्षमता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर रविवार को हमला बोला। सिखों के 10वें गुरु, गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर एक स्मारक सिक्का जारी करते हुए मोदी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए भी कांग्रेस पर निशाना साधा। ये दंगे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए थे। करतारपुर साहिब गलियारे का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारे को देखने के लिए अब दूरबीन का इस्तेमाल नहीं करना पड़ेगा और वह गलियारे का प्रयोग कर बिना वीजा के वहां जा सकते हैं। तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए मोदी ने कहा कि अगस्त 1947 में एक गलती हुई थी। यह कॉरिडोर उसी गलती का हर्जाना है। हमारे गुरु का महत्त्वपूर्ण स्थान कुछ ही किलोमीटर दूर था। लेकिन इसे हिस्सा नहीं बनाया जा सका। यह गलियारा उस क्षति को कम करने का प्रयास है। गुरु नानक देव का निधन 22 सितंबर 1539 को करतारपुर में हुआ था। कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पूर्व प्रधान न्यायाधीश जे एस खेहर और कई सिख नेता प्रधानमंत्री के निवास पर मौजूद थे। मोदी ने कहा कि चाहे वह गुरु नानक हों या गुरु गोविंद सिंह, उन्होंने हमें न्याय का पक्षधर बनना सिखाया। उन्होंने कहा कि उनके दिखाए रास्ते पर चलते हुए केंद्र सरकार 1984 के दंगा पीड़ितों को न्याय दिलाने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार 1984 से शुरू हुए अन्याय के लिए न्याय दिलाने का प्रयास कर रही है। दशकों तक, माओं, बहनों, बेटियों एवं बेटों ने आंसू बहाए, कानून न्याय दिलाएगा, उनके आंसू पोंछेगा। गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के मौके पर मोदी ने 350 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया। उन्होंने खालसा पंथ के संस्थापक को एक योद्धा एवं एक कवि बताया जिनके पास धार्मिक ग्रंथों की अथाह जानकारी थी। मोदी ने कहा कि सरकार अब देश भर में गुरु नानक देव की 550वीं जयंती मनाने की योजना बना रही है।

कांग्रेस पूरी क्षमता के साथ यूपी में लड़ेगी चुनाव: राहुल

दुबई। 2019 लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा ने कांग्रेस को साथ लिए बिना गठबंधन कर लिया है। इस गठजोड़ के ऐलान करने के कुछ घंटे बाद कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी पूरी क्षमता से उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ेगी और अपनी विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाएगी। राहुल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनके मन में इन दोनों दलों के नेताओं के प्रति बड़ा सम्मान है और वे जो भी चाहें, उन्हें वह करने का हक है। उन्होंने कहा कि बसपा और सपा को गठबंधन करने का पूरा हक है। मैं सोचता हूं कि कांग्रेस पार्टी के पास उत्तर प्रदेश के लोगों को पेशकश करने के लिए काफी कुछ है, इसलिए हम कांग्रेस पार्टी के तौर पर यथासंभव प्रयास करेंगे। कभी एक दूसरे की कट्टर विरोधी रही समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में आपस में गठबंधन करने की शनिवार को घोषणा की। उन्होंने कांग्रेस को गठबंधन से दूर रखा है। रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण को लेकर उनकी कथित 'महिला विरोधी' टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर जिसके लिए राष्ट्रीय महिला आयोग ने उन्हें नोटिस जारी किया है, गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनिल अंबानी को 30000 करोड़ रुपए चुराने में मदद की और लोकसभा ऐसी जगह है जहां उन्हें अपना बचाव करना चाहिए था लेकिन उन्होंने एक अन्य इंसान को भेजना पसंद किया और वह इंसान महिला थी।

सामान्य श्रेणी के आरक्षण को राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

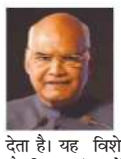

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सामान्य श्रेणी के आर्थिक रूप से कमजोर तबके को सरकारी नौकरियों एवं शिक्षा में 10 फीसदी आरक्षण देने संबंधी विशेष प्रावधान को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी अधिसूचना में कहा गया कि संविधान (103वां संशोधन) अधिनियम, 2019 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। संविधान (103वां संशोधन) अधिनियम के जरिए संविधान के अनुच्छेद 15 और 16 में संशोधन किया गया है। इसके जरिए एक प्रावधान जोड़ा गया है जो राज्य को नागरिकों के आर्थिक रूप से कमजोर किसी तबके की तरक्की के लिए विशेष प्रावधान करने की अनुमति देता है। यह विशेष प्रावधान निजी शैक्षणिक संस्थानों सहित शिक्षण संस्थानों, चाहे सरकार द्वारा सहायता प्राप्त हो या न हो, में उनके दाखिले से जुड़ा है। हालांकि यह प्रावधान अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों पर लागू नहीं होगा। इसमें यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह आरक्षण मौजूदा आरक्षणों के अतिरिक्त होगा और हर श्रेणी में कुल सीटों की अधिकतम 10 फीसदी सीटों पर निर्भर होगा। इससे जुड़ा विधेयक नौ जनवरी को संसद से पारित किया गया था। अधिसूचना के मुताबिक, इस अनुच्छेद और अनुच्छेद 16 के उद्देश्यों के लिए आर्थिक रूप से कमजोर तबकेवे होंगे जिन्हें सरकार समय-समय पर पारिवारिक आय और प्रतिकूल आर्थिक स्थिति के अन्य मानकों के आधार पर अधिसूचित करेगी। इससे सामान्य वर्ग लोगों को कुछ राहत तो जरूर मिलेगी और उन्हें भी इस प्रावधान के जरिए आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

केजरीवाल की बेटी का हो सकता है अपहरण, मिली धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कार्यालय को एक गुमनाम ईमेल मिला है जिसमें उनकी बेटी के अपहरण की धमकी दी गई है। सूत्रों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।सूत्रों ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय को नौ जनवरी को एक गुमनाम ईमेल मिला जिसे दिल्ली पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक को भेज दिया गया है। उत्तरी दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल की बेटी के साथ एक सुरक्षा अधिकारी तैनात कर दिया है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने ई-मेल मिलने की पुष्टि की।

मुस्लिम महिलाओं को मिलेगा इंसाफ, तीन तलाक पर फिर से लाया गया अध्यादेश

नई दिल्ली। फौरी तीन तलाक की प्रथा पर रोक लगाने एवं उसे दंडनीय अपराध बनाने के संबंध में सरकार एक बार फिर अध्यादेश लेकर आई है। शनिवार को जारी किए गए मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अध्यादेश, 2019 के तहत एक बार में तीन तलाक लेना गैरकानूनी, अवैधानिक होगा और पति को इसके लिए तीन साल की कैद हो सकती है। सितंबर 2018 में जारी किए गए पिछले अध्यादेश को कानून की शक्ल देने के लिए लाया गया एक विधेयक लोकसभा से तो पारित हो गया था लेकिन वह राज्यसभा में लंबित रहा। विधेयक को संसदीय मंजूरी नहीं मिलने के चलते नया अध्यादेश जारी किया गया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले हफ्ते अध्यादेश को फिर से जारी करने की स्वीकृति दी थी। प्रस्तावित कानून के दुरुपयोग के डर को कम करने के लिए सरकार ने इसमें कुछ निश्चित सुरक्षा उपाय शामिल किए।

मेला: जेटली ने स्टेट एम्पोरिया कॉम्प्लेक्स में हुनर हॉट का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को कहा कि मोदी सरकार ने धर्म, क्षेत्र और जाति से जुड़े मुद्दों को लेकर स्पीड ब्रेकर्स हटाकर विकास का राजमार्ग बनाया है। नकवी ने कनॉट प्लेस मार्केट के निकट स्टेट एम्पोरिया कॉम्प्लेक्स में हुनर हॉट का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने यह बात कही। इस मेले की शुरूआत शनिवार को हुई थी जिसका औपचारिक रूप से उद्घाटन वित्तमंत्री अरुण जेटली ने रविवार को किया। दोनों मंत्रियों ने मेले का दौरा भी किया और कुछ कलाकारों से रूबरू हुए।

सपा-बसपा गठबंधन मजबूत, एनडीए को स्वयं को सुदृढ़ बनाना होगा: पासवान

नई दिल्ली। भाजपा की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) ने शनिवार को सपा और बसपा गठबंधन को एक मजबूत चुनावी गठजोड़ बताया और कहा कि सत्ताधारी राजग को भी विपक्ष को चुनौती देने के लिए स्वयं को सुदृढ़ बनाना होगा। चुनावी रणनीति से बसपा-सपा गठबंधन एक मजबूत गठबंधन है।चुनौती देने के लिए एनडीए को भी अपना कुनबा मजबूत करना चाहिए ताकि यूपी की जनता ऐसे गठबंधन को मुँहतोड़ जवाब दे सके। लोजपा नेता चिराग पासवान ने कभी धुर प्रतिद्वंद्वी रहे दलों के गठबंधन को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि यह गठजोड़ उनके बीच हुआ है जिन्होंने आय के ज्ञात स्रोत से अधिक सम्पत्ति एकत्रित की। उनका इशारा बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की ओर था।

मजबूती से चुनाव लड़ेगा सपा-बसपा गठबंधन: राजभर

बलिया (उप्र)। भाजपा भले ही सपा-बसपा गठबंधन को गंभीरता से ना लेने की बात कर रही हो, लेकिन उसके सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) का मानना है कि यह 'मजबूत' गठबंधन बहुत मजबूती से चुनाव लड़ेगा। दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के दिव्यांग जन सशक्तिकरण मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने शनिवार की रात संवाददाताओं से बातचीत में सपा और बसपा के गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर कहा कि देश अब गठबंधन के दौर से गुजर रहा है और किसी दल में अकेले चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं है। सपा-बसपा का गठबंधन मजबूत गठबंधन है तथा यह मजबूती से चुनाव लड़ेगा। उन्होंने एक अन्य सवाल पर कहा कि सुभासपा के सपा-बसपा महागठबंधन के साथ होने और चुनाव लड़ने की खबर में कोई सच्चाई नहीं है। लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर पूछे जाने पर राजभर ने भाजपा पर तंज करते हुए कहा कि भाजपा को ऐसा लगता है कि सूबे में उसकी लहर चल रही है। भाजपा को गलतफहमी हो गई है कि उसे 60 फीसद लोगों का समर्थन हासिल है। इसी गलतफहमी का परिणाम उसे गोरखपुर, फूलपुर, कैराना लोकसभा उपचुनाव और नूरपुर विधानसभा उपचुनाव में पराजय के रूप में मिल चुका है।

अरविंद केजरीवाल नहीं लड़ेंगे अगला लोकसभा चुनाव

लखनऊ। लोकसभा के पिछले चुनाव में वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती देने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आगामी आम चुनाव नहीं लड़ेंगे। मगर, उनकी आम आदमी पार्टी (आप) काशी से किसी अन्य मजबूत प्रत्याशी को जरूर खड़ा करेगी। आप के राष्ट्रीय प्रवक्ता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आज टेलीफोन पर 'भाषा' को बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल अगला लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे।

हमें हराने वाला अभी तक पैदा नहीं हुआ: उद्धव ठाकरे

मुंबई। लोकसभा चुनाव के पहले गठबंधन नहीं होने की स्थिति में अपने पूर्व सहयोगी दलों को हराने संबंधी भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की टिप्पणी पर हमला बोलते हुए शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी को हराने वाला अभी पैदा नहीं हुआ। बयान की आलोचना करते हुए ठाकरे ने कहा कि मैंने किसी से 'पटक देंगे' जैसे शब्द सुने हैं। शिवसेना को हराने वाला अभी पैदा नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि शिवसेना केंद्र और महाराष्ट्र की सरकारों में भाजपा की सहयोगी है। ठाकरे यहां वर्ली इलाके में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। 2014 के लोकसभा चुनाव के पहले मोदी लहर पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने कहा, ''शिवसेना ने अपनी यात्रा में कई लहरें देखी है।'' उन्होंने कहा कि भाजपा से उलट, शिवसेना ने चुनावों के पहले राम मंदिर का मुद्दा उठाया है ताकि उनका पर्दाफाश किया जा सके जो हमेशा इसका उपयोग चुनावी मुद्दे के लिए करते हैं। ठाकरे ने कहा, ''हमें बताइए कि कांग्रेस किस प्रकार मंदिर निर्माण में बाधा डाल रही है। कांग्रेस को अपनी करनी का फल 2014 में मिल गया। पार्टी को लोकसभा में विपक्ष के नेता का भी पद नहीं मिल सका।'' उन्होंने सवाल किया कि जब नीतीश कुमार की जदयू और रामविलास पासवान की लोजपा जैसी भाजपा की सहयोगी पार्टियां विरोध कर रही हैं तो वह मंदिर का निर्माण कैसे करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा को इस पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

क्रिकेट शुभमन गिल को न्यूजीलैंड में वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए चुना

पंड्या की जगह विजय शंकर भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली। तमिलनाडु के आलराउंडर विजय शंकर को रविवार को निलंबित हार्दिक पंड्या की जगह आस्ट्रेलिया में मौजूदा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया जबकि उभरते हुए खिलाड़ी शुभमन गिल को 23 जनवरी से शुरू हो रहे न्यूजीलैंड दौरे के लिए पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली। विजय शंकर आलराउंडर पंड्या के विकल्प हैं जबकि गिल न्यूजीलैंड में होने वाले पांच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और तीन टी20 मैचों की श्रृंखला के लिए लाकेश राहुल की जगह लेंगे। एक टीवी शो पर महिलाओं के प्रति विवादास्पद टिप्पणी के कारण इन दोनों को जांच लंबित रहने तक निलंबित किया गया है। बीसीसीआई ने शनिवार रात जारी बयान में कहा कि लोकेश राहुल और हार्दिक पंड्या आस्ट्रेलिया से वापस आ रहे हैं इसलिए अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने विकल्प के तौर पर आलराउंडर विजय शंकर और बल्लेबाज शुभमन गिल को भेजने का फैसला किया है। बयान के अनुसार विजय शंकर एडीलेड में दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय से पूर्व टीम से जुड़ेंगे। वह आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरे पर एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम का हिस्सा होंगे। शुभमन गिल को न्यूजीलैंड में एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए चुना गया है। प्रतिभावान गिल का भविष्य में भारतीय टीम में जगह बनाना तय माना जा रहा था लेकिन उन्हें उम्मीद से जल्दी मौका मिला है। कोलकाता नाइट राइडर्स में गिल के कप्तान दिनेश कार्तिक और पंजाब टीम के सीनियर साथी युवराज सिंह पहले ही इस बल्लेबाज के भारत के साथ लंबे करियर की भविष्यवाणी कर चुके हैं। युवराज ने पिछले हफ्ते कोलकाता में रणजी ट्राफी मैच के इतर गिल को 'काफी विशेष प्रतिभा' करार दिया था। युवराज ने कहा, ''वह ऐसा युवा खिलाड़ी है जिसकी बल्लेबाजी देखना मुझे पसंद है। उसे लंबे समय तक भारतीय टीम का हिस्सा रहना चाहिए लेकिन यह इस पर भी निर्भर करेगा कि उसे कैसे संवारा जाता है।'' गिल पिछले महीने न्यूजीलैंड का दौरा करने वाली भारत ए टीम का भी हिस्सा थे। शीर्ष क्रम का यह बल्लेबाज बेहतरीन फार्म में है और पंजाब के लिए रणजी ट्राफी में 98.75 की औसत से 790 रन बना चुका है। पिछले साल न्यूजीलैंड में अंडर 19 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत के दौरान गिल को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था।

हार के बाद बोले रोहित, धोनी के लिये आदर्श है चौथा नंबर

सिडनी। कप्तान विराट कोहली की राय से उलट भारतीय वनडे टीम के उप कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को कहा कि महेंद्र सिंह धोनी के लिये बल्लेबाजी क्रम में आदर्श स्थान नंबर चार है। भारतीय टीम विश्व कप से पहले बल्लेबाजी क्रम को तय करने में लगी है और रोहित ने कहा कि यह उनकी निजी राय है तथा कप्तान और कोच का फैसला अंतिम होगा। धोनी ने शनिवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में 96 गेंदों पर 51 रन बनाये और भारत को यह मैच 34 रन से गंवाना पड़ा। इससे धोनी की वर्तमान फार्म को लेकर फिर से बहस शुरू हो गयी है। भारतीय पारी में शतक जड़ने वाले रोहित ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि निजी तौर पर मेरा मानना है कि धोनी का नंबर चार पर बल्लेबाजी करना टीम के लिये आदर्श स्थिति होगी।

आस्ट्रेलिया ओपन में खिताब की रक्षा करने के लिए उतरेंगे रोजर फेडरर

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया ओपन में लगातार तीसरे खिताब की उम्मीद के साथ उतर रहे महान खिलाड़ी रोजर फेडरर ने कहा कि वह अच्छी लय में हैं और अपने प्रतिद्वंद्वियों को चेताया कि वह अच्छा टेनिस खेल रहे हैं। स्विट्जरलैंड के इस दिग्गज खिलाड़ी ने पर्थ में होपमैन कप में खिताब के साथ आस्ट्रेलिया ओपन के लिए अच्छा अभ्यास किया और उन्हें पता है कि 37 बरस की उम्र में भी उनके पास मेलबर्न में रिकार्ड सातवां और करियर का 21वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने का अच्छा मौका है। यह तीसरा वरीय खिलाड़ी आस्ट्रेलिया ओपन में अपने अभियान की शुरुआत सोमवार रात रोड लेवर एरेना में उज्बेकिस्तान के डेनिस इस्तोमिन के खिलाफ करेगा।

संपादकीय

विवेकानंदः पहले सांस्कृतिक राजदूत

स्वामी विवेकानंद न सिर्फ अपने समय में, बल्कि डेढ़ सौ साल बाद भी क्रांतिकारी विचारों से युवाओं के दिलो-दिमाग को उद्वेलित करते हैं। स्वामी विवेकानंद के विचारों का यदि देश के युवा अच्छी तरह से अध्ययन करें, तो उन्हें आज के कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब मिल सकते हैं। इन जवाबों की रोशनी में वे जीवन को नई राह दिखा सकते हैं। युवा तरुणाई के लिए उनके विचार आज भी प्रेरणा स्रोत हैं।

स्वामी विवेकानंद का जन्म दिवस राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। 12 जनवरी-1863 को कोलकाता में जन्मे स्वामी विवेकानंद न सिर्फ अपने समय में, बल्कि डेढ़ सौ साल बाद भी क्रांतिकारी विचारों से युवाओं के दिलो-दिमाग को उद्वेलित करते हैं। लाखों-लाख युवा तरुणाई के लिए उनके विचार आज भी प्रेरणा स्रोत हैं। स्वामी विवेकानंद का कहना था कि युवा राष्ट्र की असली शक्ति हैं। वे मानते थे कि जिस देश में नौजवान पीढ़ी अपनी सोच को कार्य के रूप में परिवर्तित करेगी, उस देश की ओर तो कोई आंख उठाकर भी नहीं देख सकता। उनकी यह बात बहुत हद तक सही भी है। यदि नौजवान अपनी असली ताकत पहचान जाए, तो उस देश की तरक्की को कोई नहीं रोक सकता। आज हमारा देश वैश्विक मानचित्र पर सबसे ज्यादा नौजवान देश है। देश की 125 करोड़ आबादी में से 65 फीसदी आबादी 35 साल से कम उम्र की है। यदि यह आबादी कुछ ठान ले, तो हर चीज मुमकिन है। बस जरूरत इस बात की है कि इस तरुणाई का सही तरह से इस्तेमाल किया जाए। उनको सही मार्गदर्शन मिले। विचार के बिना जीवन दिशाहीन होता है। स्वामी विवेकानंद के विचारों का यदि देश के युवा अच्छी तरह से अध्ययन करें, तो उन्हें आज के कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब मिल सकते हैं। इन जवाबों की रोशनी में वे अपने जीवन को नई राह दिखा सकते हैं। राष्ट्रीय कवि दिनकर ने उनके बारे में कहा है-'विवेकानंद वो समुद्र हैं जिसमें धर्म और राजनीति, राष्ट्रीयता और अंतरराष्ट्रीयता तथा उपनिषद और विज्ञान सब के सब समाहित होते हैं।'

स्वामी विवेकानंद देश के महानतम प्रज्ञापुरुष थे। महात्मा गौतम बुद्ध के बाद विवेकानंद देश के पहले धार्मिक, सांस्कृतिक राजदूत थे। उन्होंने सभी तरह की कुंठाओं और वर्जनाओं को त्याग, पश्चिमी बुद्धिजीवियों को उनकी ही सरजमीं पर फैसलाकुन तौर से हराया था। आधुनिक भारत के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक और साहित्यिक जीवन की कई हस्तियां उनकी जिंदगी से किसी न किसी तरीके से प्रभावित थीं। सुभाष चंद्र बोस ने लिखा है कि, 'स्वामी विवेकानंद का धर्म राष्ट्रीयता को उत्तेजना देने वाला था। नई पीढ़ी के लोगों में उन्होंने भारत के प्रति भक्ति जगाई। उसके अतीत के प्रति गौरव व उनके भविष्य के प्रति आस्था उत्पन्न की। उनके उद्‌गारों से लोगों में आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान के भाव जगे हैं।' एनसाक्लोपीडिया ब्रिटेनिका के बीस में से लगभग कंठस्थ 11 खंडों पर विवेकानंद का असाधारण अधिकार था। वे विवेकानंद ही थे जिन्होंने पतंजलि के प्रकृतियोग के सिद्धांत का पूरक सिद्धांत प्रतिपादित किया। ऋग्वेद से लेकर कालिदास तक भारत के अन्यतम ग्रंथों से वे अच्छी तरह वाकिफ थे। यही नहीं विवेकानंद ने पश्चिम विद्वानों को भी पढ़ा था। कांट, शोपेनहावर, मिल तथा स्पेन्सर जैसे विचारकों का उन्होंने अध्ययन किया। स्वामी विवेकानंद की मेधा से प्रभावित होकर पश्चिम ने उन्हें 'हिंदू-नेपोलियन' और 'चक्रवातिक हिन्दू' की संज्ञाएं दी थीं।

विवेकानंद ऋषि, विचारक, संत और दार्शनिक थे, जिन्होंने आधुनिक इतिहास की समाजशास्त्रीय व्याख्या की। विवेकानंद के दर्शन के तीन मुख्य स्रोत रहे हैं-पहला, वेद तथा वेदांत की परंपरा, दूसरा श्रीरामकृष्णदेव का शिष्यत्व और तीसरा अपने जीवन का अनुभव। विवेकानंद ने कहा था कि 'किसी की भी कोई बात या सिद्धांत को तर्क और बहस-मुबाहिसे के जरिए परखे बिना नहीं मानना चाहिए।' विवेकानंद पुरोहितवाद, धार्मिक आडंबरों, कठमुल्लापन व रूढ़ियों के सख्त खिलाफ थे। उन्होंने धर्म को मनुष्य की सेवा के केंद्र में रखकर ही आध्यात्मिक चिंतन किया था। उनका कहना था कि 'मैं उस ईश्वर का उपासक हूं, जिस अज्ञानी लोग मनुष्य कहते हैं।' स्वामी विवेकानंद स्वभाव से ही विद्रोही प्रकृति के थे। उनके बगावती तेवर अक्सर उनके भाषणों से झलकते थे। उन्होंने यह विद्रोही बयान दिया था कि 'देश के 33 करोड़ भूखे, दरिद्र और कुपोषण के शिकार लोगों को देवी देवताओं की तरह मंदिरों में स्थापित कर दिया जाए और मंदिरों से देवी देवताओं की मूर्तियों को हटा दिया जाए।' उन्होंने अपनी किताबों और भाषणों में पुरोहितवाद, ब्राम्हणवाद, धार्मिक कर्मकांड और रूढ़ियों की जमकर आलोचना की और लगभग आक्रमणकारी भाषा में ऐसी विसंगतियों के खिलाफ हल्ला बोला। उनका कहना था कि 'जब पड़ोसी भूखों मरता हो, तब मंदिर में भोग चढ़ाना पुण्य नहीं पाप है। जब मनुष्य दुर्बल और क्षीण हो तब हवन में घी डालना अमानुषिक कर्म है।'

विवेकानंद धार्मिक कठमुल्लापन के खिलाफ थे और इस तरह की प्रवृतियों से उन्होंने हमेशा संघर्ष किया। उनका कहना था कि 'जिनके लिए धर्म व्यापार बन गया है, वे संकीर्ण हो जाते हैं। उनमें धार्मिक प्रतिस्पर्धा का विष पैदा हो जाता है और वे अपने स्वार्थ में अंधे होकर वैसे ही लड़ते हैं, जैसे व्यापारी लाभ के लिए दांव-पेंच लगाते हैं।' स्वामी विवेकानंद न सिर्फ धार्मिक कट्टरता व रूढ़िवाद के विरोधी थे, बल्कि सांप्रदायिकता और धर्मांधता को भी इंसानियत का बड़ा दुश्मन मानते थे। सांप्रदायिकता और धर्मांधता के बारे में उनके विचार थे 'सांप्रदायिक हठधर्मिता और उसकी वीभत्स वंशधर धर्मांधता इस सुंदर धरती पर बहुत समय तक राज कर चुकी है। वे पृथ्वी को हिंसा से भरती रही, उसको बार-बार मानवता के रक्त से नहलाती रही है। सभ्यताओं को विध्वंस करती और पूरे-पूरे देशों को निराशा के गर्त में डालती रही हैं। यदि वे वीभत्स और दानवी न होती, तो मानव समाज आज की अवस्था से कहीं अधिक उन्नत हो गया होता। स्वामी विवेकानंद विश्व बंधुत्व के बेखौफ प्रवक्ता थे। उनके दिल में सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान था। धर्म उनकी नजरों में अलग ही मायने रखता था। उनका कहना था-'अगर कोई इसका ख्वाब देखता है कि सिर्फ उसी का धर्म बचा रह जाएगा और दूसरे सभी नष्ट हो जाएंगे, तो मैं दिल की गहराइयों से उस पर तरस ही खा सकता हूं।

विवेकानंद को भारतीय होने पर बेहद गर्व था। भारतीयों के गुणों का बखान करते हुए उन्होंने कहा था 'हम भारतीय केवल सहिष्णु ही नहीं हैं। हम सभी धर्मों से स्वयं को एकाकार कर देते हैं। हम पारसियों की अग्नि को पूजते हैं। यहूदियों के सिनेगॉग में प्रार्थना करते हैं। मनुष्य की आत्मा की एकता के लिए तिल तिलकर अपना शरीर सुखाने वाले महात्मा बुद्ध को हम नमन करते हैं। हम भगवान महावीर के रास्ते के पथिक हैं। हम ईसा की सलीब के सम्मुख झुकते हैं। हम हिन्दू देवी देवताओं के विश्वास में बहते हैं।' विवेकानंद ने दुनिया के दो बड़े मजहब, हिंदू और इस्लाम धर्म के बीच आपसी सहकार की बात करते हुए कहा था कि 'हमारी मातृभूमि, दो समाजों हिंदुओं और मुस्लिम की मिलनस्थली है। मैं अपने मानस नेत्रों से देख रहा हूं कि आज के संघात और बवंडर के अंदर से एक सही व अपराजेय भारत का आविर्भाव होगा, वेदांत का मस्तिक और इस्लाम का शरीर लेकर।' भारतीय राष्ट्रवाद की नदी में बहते हुए विवेकानंद एक प्रतिधारा की तरह थे। उन्होंने प्रचलित, पारंपरिक और ऐतिहासिक विचारधाराओं के खिलाफ हमेशा संघर्ष किया।

विवेकानंद के विचारों में आज के कई ज्वलंत सवालों के जवाब ढूंढे जा सकते हैं। जरूरत उन सवालों को सही ढंग से समझने की है। 19वीं सदी में जब भारतीय समाज अपेक्षाकृत ज्यादा मतांध, संकीर्ण था, उस वक्त विवेकानंद ने जो कुछ भी कहा, वह हर लिहाज से क्रांतिकारी था। समाज की परवाह न करते हुए, वे अपने साहसिक और मौलिक विचार दुनिया के बीच बांटते रहे। वे पहले सांस्कृतिक राजदूत थे, जिन्होंने भारतीय परंपरा, दर्शन व संस्कृति को पश्चिमी देशों तक पहुंचाया। विवेकानंद की किताबों का सम्यक अध्ययन से मालूम चलता है कि उनके विचारों में समकालीन शब्दार्थों से कहीं ज्यादा भविष्य के निहितार्थ छिपे हैं।

जाहिद खान
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

भारत विरोध की बातें अब बंद हो

आतंकवाद के मसले पर भारत की कोशिशों का साथ देने के बजाय पाकिस्तान उल्टा आरोप मढ़ने में जुटा है। पाक की तरफ से भारत विरोधी बातों को हवा देकर प्रधानमंत्री इमरान अपना दामन साफ करने में जुटे हैं। जबकि असलियत क्या है, यह पूरी दुनिया को पता है।

पाकिस्तान के सियासी गलियारों की हवा कुछ ऐसी है कि जो भी सत्ता की कुर्सी पर बैठता है, वह दोगला हो ही जाता है। यह पाकिस्तान के गठन के बाद से आज तक साफ देखा भी जा सकता है। मगर पाकिस्तान न तो अपनी करतूतों से बाज आ रहा है और न ही भारत सहित दुनियाभर की चेतावनियों को गंभीरता से ले रहा है। सत्ता में आने से पहले इमरान खान ने भारत के साथ संबंध सुधारने के लिए जिस तरह से बड़ी-बड़ी बातें की थीं, उससे लगा था कि अब वह समय आ गया है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच अदावत के दिन लद गए, मगर समय बीतते-बीतते उनका रंग भी सामने आ गया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कहते हैं कि आम चुनावों की वजह से भारत लोगों को पाकिस्तान के खिलाफ भड़का रहा है। फिर वह कहते हैं कि परमाणु संपन्न दो देशों के बीच युद्ध समाधान नहीं हो सकता। इतने पर भी जब भारत का धैर्य नहीं टूटा तो कहने लगे कि भारत शांति प्रस्ताव पर जवाब ही नहीं दे रहा है। इन बयानों के क्या मायने निकाले जाएं। लेकिन भारत ने पाक को जवाब देने के बजाय उसे ही आईना दिखाते हुए कहा है कि पाक मुख्यधारा के आतंकवाद को शह दे रहा है। आतंकवाद पर पाक का नजरिया साफ नहीं है। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान को पांच सबूत भी दिए है कि वह किस तरह से आतंकवाद और आतंकियों को बढ़ावा दे रहा है। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री शहरयार अफरीदी का 16-17 दिसंबर-2018 को ने आतंकवादी हाफिज सईद के प्रतिनिधि से मिलना, पीओके में जमात उद दावा के दफ्तर का इमरान की पार्टी के नेता द्वारा उद्‌घाटन किया जाना पाक की नीयत को साबित करता है। इतना ही नहीं आतंकी सैय्यद सलाहुद्दीन को अक्टूबर 2018 में जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकवादियों के लिए पाकिस्तानी सेना ने सैन्य समर्थन दिया था। 30 सितंबर-2018 को पाकिस्तान के धार्मिक मंत्री नूर-उल-हक कादरी हाफिज सईद के साथ सार्वजनिक मंच पर नजर आए थे। जहां दोनों ने भारत विरोधी बयान दिए थे। यह सब देखते और जानते हुए भी अगर इमरान भारत को दोस्ती की राह में रोड़ा बता रहे हैं, तो इससे उनकी समझ पर सवाल खड़ा होता है। भारत ने पाकिस्तान के साथ दोस्ती की गाड़ी पटरी पर लाने के लिए क्या क्या किया है, यह पूरी दुनिया को पता है।

ऐसा कोई मौका नहीं है, जब भारत ने शांति के लिए अपनी तरफ से पहल नहीं की, लेकिन हर बार उसे आतंकी हमले का तोहफा मिला। एक भी बार पाक ने गंभीरता दिखाते हुए भारत की बात नहीं सुनी। इस बार उम्मीद थी कि इमरान बदलाव लाएंगे, पर वे भी सत्ता और सेना के बनाए रास्ते पर चल निकले हैं। भारत पर तोहमत मढ़ने से पहले उन्होंने यह देखना जरूरी नहीं समझा कि सीमा पर फायरिंग किस तरह से हो रही है। आतंकी किसकी सीमा पर बैठकर साजिश कर रहे हैं। इमरान को यह सब तब दिखेगा, जब वे अपने उस भारत विरोधी चश्मे को निकाल फेकेंगे, जो सेना ने उन्हें पहना रखा है।

योगी सरकार की गोवंश नीति

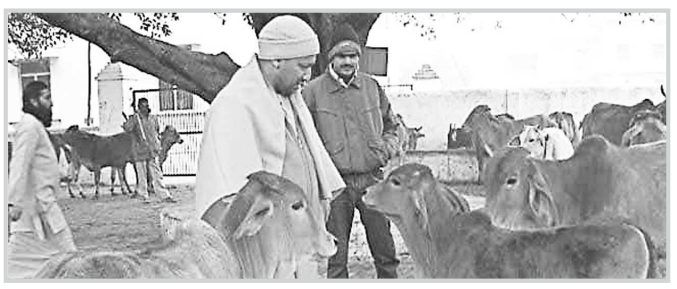

उत्तरप्रदेश सरकार ने पूरे राज्य में गोशालाएं बनाने के लिए गो कल्याण उपकर (सेस) लगाने का फैसला किया है। इसके तहत 0.5 प्रतिशत सेस शराब के अलावा उन सभी वस्तुओं पर लगेगा जो उत्पाद कर के दायरे में आती हैं। गायों को बचाने का यह तरीका अब तक किसी राज्य ने नहीं अपनाया है, लेकिन इस अकेले फैसले से गोवंश का कल्याण भी संभव नहीं है। गोवंश की सुरक्षा के उपाय हम विदेशों से भी सीख सकते हैं।

उत्तरप्रदेश में नए साल की पहली कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गई। इनमें एक महत्वपूर्ण फैसला गोवंश संरक्षण से भी संबंधित है। कहना गलत नहीं होगा कि किसी भी राज्य द्वारा अब तक गोवंश संरक्षण हेतु इतने बड़े पैमाने पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। इस निर्णय के तहत उत्तर प्रदेश के समस्त निकायों, गांवों, क्षेत्र, जिला पंचायत, नगरपालिका, नगर पंचायत व नगर निगमों में अस्थायी गोशालाएं खोली जाएंगी। योगी सरकार ने यह कदम लगभग पूरे प्रदेश से आवारा पशुओं के संबंध में आने वाली परेशानियों के मद्देनजर उठाया है। फैसला धरातल पर कितना कारगर साबित होता है यह तो आने वाला समय ही बताएगा परंतु इतना तो जरूर है कि इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि योगी सरकार गोहत्या के सख्त खिलाफ है तथा आवारा पशुओं के सड़कों और खेतों में खुलेआम घूमने से होने वाले नुकसान के प्रति चिंतित भी है। इस संबंध में लिए गए निर्णय के अनुसार प्रदेश के अब आवारा पशुओं का नियमन किया जाएगा एवं ग्राम पंचायत स्तर पर सरकारी जमीन उपलब्ध कराई जाएगी तथा इनमें गोसंरक्षण सदन बनाए जाने का भी प्रस्ताव है। इस योजना में मनरेगा के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर निर्माण कराया जाएगा। यह निर्माण विधायक एवं सांसद निधि कोष से होगा। प्रत्येक स्थानीय निकाय को सरकार द्वारा इस कार्य के लिए सौ करोड़ रुपए दिए गए हैं। प्रत्येक जिले में कम से कम एक हजार आवारा पशुओं के लिए इस प्रकार के आश्रय स्थलों का निर्माण कराया जाएगा। परंतु इसी तस्वीर का दूसरा रुख यह भी है कि गोवंश संरक्षण हेतु किए जाने वाले इन उपायों पर आने वाले खर्च को पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने गोकल्याण उपकर लगाने का भी निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत् 0.5 प्रतिशत गो कल्याण उपकर उत्पाद कर के दायरे में आने वाली सभी वस्तुओं पर लगेगा। शराब पर यह टैक्स नहीं लगाया जाएगा। टोल टैक्स, मंडी परिषद् के साथ विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा भी इस टैक्स का भुगतान किया जाएगा।

गोया कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि योगी सरकार आम जनता से ही इन निराश्रित पशुओं के संरक्षण पर आने वाले खर्च की भरपाई करेगी। इतना ही नहीं बल्कि सांसद तथा विधायक निधि कोष का जो पैसा जनकल्याण में खर्च होना चाहिए था वह भी गोवंश संरक्षण पर खर्च किया जाएगा। इन उपायों से कम से कम एक बात तो बिल्कुल स्पष्ट हो गई है कि सरकार द्वारा जनकल्याण तथा क्षेत्रीय विकास से कहीं अधिक गोवंश संरक्षण की जरूरत महसूस की जा रही है। इस योजना पर कुल मिलाकर हजारों करोड़ रुपए सिर्फ प्रदेश सरकार को ही खर्च करने पड़ेंगे। इस संबंध में एक बात और भी विचारणीय है कि देश में पहले से बनी हजारों की संख्या में बड़ी व छोटी गोशालाएं जिन्हें सरकार गोसंरक्षण के लिए धन भी देती है, क्या वे अपनी गोशालाओं की सभी गायों का समान रूप से पालन-पोषण कर रही हैं? क्या बीमार पशुओं का समुचित इलाज हो पाता है? क्या गोवंश के नाम पर एकत्र किए जाने वाला सरकारी और गैर सरकारी सहायता कोष अथवा दान इन बेजुबान पशुओं पर पूरी ईमानदार से खर्च किया जाता है? क्या वजह है कि देश की सैकड़ों गौशालाओं से संबंधित अनेक नकारात्मक समाचार प्राप्त होते रहे हैं। चोरी-छिपे बीमार व कमजोर गायों पर गोशाला संचालकों द्वारा ध्यान न दिए जाने तथा इस कारण मरने वाली गायों को गोशालाओं से दूर फेंके जाने की भी अनेक घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

आमतौर पर तो यही देखा जाता है कि गो संरक्षण गृहों में दान-पुण्य पर पलने वाले गोवंश को वहां रहने का उतना लाभ नहीं मिलता है जितना कि गोशाला संचालकों को प्राप्त होता है। उधर, जब से गोरक्षा के नाम पर गाय का व्यापार करने वाले कई लोगों के साथ हिंसक वारदातों का सिलसिला शुरू हुआ तब से भयवश गायों का इधर से उधर आना-जाना तथा व्यापार आदि ठप हो गया है। बड़े पैमाने पर मांस निर्यात करने वाले बूचड़खानों में होने वाली पशुओं की आपूर्ति को छोड़कर एक-दो पशु ले जाने वालों पर ज्यादा निगाह रखी जाती है। वजह बिल्कुल साफ है कि मांस निर्यातकों की सत्ता के गलियारों में घुसपैठ है। दूसरी ओर यही पशु चाहे किसानों की फसल बरबाद करें, सड़कों पर दुर्घटनाओं का कारण बनें, गलियों व रास्तों में लोगों को सींग मारते फिरें या रास्ते में बैठकर आवागमन को बाधित करें परंतु जनता की सुनने वाला कोई भी नहीं है।

पहले ही किसान नील गाय और बंदरों के आतंक से अपनी फसल से पूरी पैदावार हासिल नहीं कर पा रहा। कई राज्यों में विशेषकर नदियों के किनारे के क्षेत्रों में नील गायों के झुंडों का आतंक इतना फैल गया है कि हजारों किसान खेती-बाड़ी का काम ही छोड़ चुके हैं। हिमाचल प्रदेश में भी बंदरों के चलते तमाम किसानों ने खेती व बागवानी के काम छोड़ दिए हैं। परंतु आज तक देश की किसी भी सरकार ने किसानों को इन निराश्रित पशुओं से बचाने के विषय में कभी नहीं सोचा। न ही इस संबंध में कोई योजना बनाई गई। लेकिन अब इन समस्याओं पर भी ध्यान देना होगा। ऐसा न हो कि गायों को बचाने के चक्कर में हम दूसरी समस्याओं को भूल जाएं। किसानों और आम लोगों की परेशानी को देखते हुए इन गाय-बछड़ों को किसी निश्चित जगह सुरक्षित रखने की राज्य सरकार की मंशा तो ठीक है, मगर यह काम उतना आसान नहीं है, जितना लगता है। भटकने वाले मवेशियों में काफी बड़ी संख्या सांड़ों की है, जो स्वभावतः किसी दायरे में बंधकर रहने वाले जीव नहीं हैं। उन्हें पकड़ने और बंद करने में अभी जितनी चुस्ती दिखाई जा रही है, वह न सिर्फ सरकारी कर्मचारियों और दूसरे पशुओं के लिए, बल्कि खुद सांड़ों के लिए भी जानलेवा हो सकती है।

दरअसल, गोवंश का विषय अब लगभग पूरी तरह से आम लोगों की भावनाओं से जोड़ दिया गया है, जबकि इस विषय पर गहन शोध भी नहीं किया गया। आज देश में हल, बैल और बैल गाड़ियों की जरूरत लगभग खत्म सी हो गई है। इन्हीं जरूरतों को पूरा करने में बैलों का प्रयोग हुआ करता था। परंतु बछड़े की पैदावार तो प्राकृतिक रूप से उसी अनुपात में होती आ रही है जैसी पहले हुआ करती थी। ऐसे में जब एक गोपालक अपनी कम दूध देने वाली गाय को चारा खिलाने से कतराता है और उसे बेचकर दूसरी अधिक दूध देने वाली गाय लाना उचित समझता है फिर आखिर उस गोपालक से यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वह एक ऐसे बछड़े की परवरिश करे जिससे भविष्य में न तो कोई लाभ है न ही उसका कोई उपयोग? ऐसे में उस गोपालक के समक्ष इसके सिवा कोई दूसरा रास्ता ही नहीं कि वह उस बछड़े को अपने घर से बाहर धकेल दे और वह बछड़ा अनाश्रित होकर सड़कों पर आवारा फिरता रहे और राहगीरों या किसानों के लिए समस्या का कारण बने।

गौ संरक्षण निश्चित रूप से होना चाहिए परंतु इसके लिए दूरगामी व दीर्घकालीन नीति भी बनाई जानी चाहिए। गोवंश संरक्षण को केवल भावनात्मक या चुनावी अथवा इसकी आड़ में धन कमाने का जरिया कतई नहीं बनाना चाहिए। याद रखना जरूरी है कि पशुओं को रखे जाने की एक सीमा है। गोवंश की संख्या नियंत्रित किए बगैर उन्हें बाड़ों में रखने की योजना ज्यादा सफल नहीं हो सकती। लिहाजा बेहतर यही होगा कि पशु चिकित्सकों और कृषि विज्ञानियों के पैनल से इस बारे में दीर्घकालिक योजना बनाने व इस पर अमल के ठोस, व्यावहारिक सुझाव देने को कहा जाए।

निर्मल रानी
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

ट्विटर

पाकिस्तान के साथ बातचीत का राग हम ही अलाप रहे हैं, जबकि उसे इससे कोई लेना-देना नहीं है। हमें भी अब बातचीत और शांति का रास्ता छोड़ देना चाहिए।

पीके सहगल, रक्षा विशेषज्ञ

पाकिस्तान के साथ हमारी शांति की कोशिशें जारी रहेंगी। वह चाहे कितना भी बचने के रास्ते ढूंढ ले। हमारा मानना है कि जब पाक में शांति होगी, तभी हम खुश रहेंगे।

वीके सिंह, विदेश राज्यमंत्री

सत्यार्थ

अपशब्दों का प्रयोग न करें

श्रावस्ती के सेठ अनाथपिंडिक के पुत्र का विवाह साकेत के जाने-माने सेठ धनंजय की पुत्री सुजाता से हुआ था। बड़े कुल की बेटी होने का घमंड उसके व्यवहार में दिखाई देता था। 'मैं बड़े कुल की बेटी हूं' कहकर वह परिवार के सदस्यों का अनादर करती थी। अनाथपिंडिक की गौतम बुद्ध के प्रति आस्था थी। उन्हीं दिनों बुद्ध अनाथपिंडिक के घर पधारे। उनकी धर्मकथा सुनने वालों के बैठने का प्रबंध अनाथपिंडिक कर रहे थे। बुद्ध ने धर्म- कथा सुनाना प्रारंभ ही किया था कि अंदर से एक स्त्री की कर्कश आवाज सुनाई दी। सुजाता घरेलू नौकरों से झगड़ रही थी। बुद्ध ने पूछा- ये अपशब्द कौन बोल रहा है? अनाथपिंडिक बुद्ध के सामने अपने घर की बात छिपा न सके और बोले- भंते, यह मेरी पुत्र-वधू की आवाज है। वह पति, सास, ससुर और दास-दासियों से हमेशा दुर्व्यवहार करती है। बुद्ध ने कहा- उसे हमारे सामने बुलाओ। सुजाता ने आकर बुद्ध को प्रणाम किया और एक तरफ खड़ी हो गई। बुद्ध ने कहा- सुजाता, सात प्रकार की भार्याएं होती हैं। प्रथम तीन प्रकार कीं-वधक, चोर व आर्या भार्याएं, निर्दयी, अप्रिय शब्द बोलने वाली होती हैं। शेष चार प्रकार कीं- माता, भगनी, सखी व दासी भार्याएं, शील-सदाचारी, मृदुभाषी होती हैं। ये अपने अच्छे आचरण से हमेशा सुखी रहती हैं और दूसरों को भी खुश रखती हैं। तुम इन भार्याओं में से कौन सी हो? बुद्ध की यह बात सुन कर सुजाता को अपने अवगुणों पर प्रायश्चित होने लगा और उसका हृदय परिवर्तित हो गया। उसने महात्मा बुद्ध के चरणों में सिर झुकाते हुए कहा- भंते, मैं आपके समक्ष यह प्रण करती हूं कि अब जनसाधारण के प्रति सदैव सद्व्यवहार करूंगी और अपशब्दों का प्रयोग कभी नहीं करूंगी।

विनोद कुमार यादव

भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने कट हासिल किया

होनोलुलु। अनिर्बान लाहिड़ी लगातार दूसरे दौर में दो अंडर 68 के स्कोर से हवाई में सोनी ओपन में संयुक्त 35वें स्थान के साथ कट हासिल करने में सफल रहे। लाहिड़ी 2019 में पहली प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं और उनका कुल स्कोर चार अंडर 136 है। इस बीच मैट कूचर ने लगातार दूसरे दौर में 63 के स्कोर से 14 अंडर 126 के कुल स्कोर के साथ एंड्रयू पुटनेम पर दो शाट की बढ़त बना रखी है। पुटनेम ने दूसरे दौर में 65 का स्कोर बनाया।

चौथी प्रो कुश्ती लीग के पहले दिन उतरेंगे विनेश और बजरंग

पंचकूला। जकार्ता एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहलवान बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट 14 जनवरी से पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में शुरू हो रही चौथी प्रो रेसलिंग लीग के पहले दिन मुकाबलों में आकर्षण का केंद्र होंगे। पंचकूला के बाद रेसलिंग का कारवां लुधियाना इंडोर स्टेडियम कूच करेगा। लुधियाना में दूसरा चरण 19 से 23 जनवरी तक खेला जाएगा। लीग का अंतिम चरण, सेमीफाइनल और फाइनल 24 से 31 जनवरी तक ग्रेटर नोएडा के गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी स्टेडियम में खेले जाएंगे। सभी मुकाबले शाम 7 से 9 बजे के बीच होंगे और इनका सोनी नेटवर्क पर सीधा प्रसारण होगा। पिछले दो बार के चैंपियन पंजाब रॉयल्स और सीज़न 1 की चैंपियन मुंबई महारथी के मुकाबले के साथ ही प्रो रेसलिंग लीग सीज़न 4 का आगाज़ हो जाएगा। इस 18 दिन चलने वाली लीग में कुल छह टीमें भाग ले रही हैं। 29 और 30 जनवरी को सेमीफाइनल और 31 जनवरी को फाइनल खेला जाएगा।

पिछली बार गोपीचंद ने दिलाया था भारत को ऑल इंग्लैंड खिताब, कहा- अब यह खिलाड़ी तैयार

कोलकाता: भारतीय बैडमिंटन का भविष्य कोच पुलेला गोपीचंद के हाथों साल दर साल मजबूत होता जा रहा है. पिछला साल उनकी शिष्या पीवी सिंधु के लिए शानदार तरीके से समाप्त हुआ. साइना नेहवाल के लिए 2018 बैडमिंटन में तो कुछ खास नहीं लाया, लेकिन वे इस साल शादी के बंधन में जरूर बंध गईं. अब गोपीचंद को साल 2019 भारत के लिए ज्यादा उपलब्धियों वाला नजर आ रहा है.

ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप का सूखा खत्म हो सकता है

भारतीय बैडमिंटन टीम को कोच पुलेला गोपीचंद ने शुक्रवार को कहा कि देश की अग्रणी महिला खिलाड़ी पी.वी. सिंधु इस साल होने वाले ऑल इंग्लैंड और विश्व चैम्पियनशिप में जीत का परचम लहराने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. सिंधु ने जिस तरह से 2018 का अंत किया है उसे देखकर उम्मीद है कि वह इस साल ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप जीत भारत के 18 साल के सूखे को खत्म करेंगी. सिंधु ने 2018 का अंत वर्ल्ड टूर फाइनल्स की जीत के साथ किया था. भारत के लिए गोपीचंद ने आखिरी बार 2001 में इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था. उनसे 21 साल पहले प्रकाश पादुकोण ने 1980 में भारत को पहली बार ऑल इंग्लैंड टूर्नामेंट का खिताब दिलाया था. जबकि 1947 में प्रकाश नाथ ने इस प्रतियोगिता में रजत पदक जीता था.

सिंधु के प्रदर्शन से खुश हैं गोपीचंद

सिंधु के बीते साल के प्रदर्शन पर गोपीचंद ने कहा, 'मुझे लगता है कि बीते साल सिंधु ने सभी बड़े टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया. वर्ल्ड टूर फाइनल्स की जीत सबसे बेहतर है. इस साल की शुरुआत के लिए यह अच्छा है.' सिंधु ने इस साल राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों, विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक अपने नाम किया था. वहीं इंडिया ओपन और थाईलैंड ओपन में वह दूसरे स्थान पर रही थीं.

ओलंपिक क्वालिफायर पर भी है खिलाड़ियों की नजर

गोपीचंद ने कहा कि इस साल ओलम्पिक क्वालीफायर भी हैं, इसलिए टीम का मकसद टोक्यो में होने वाले खेलों के महाकुंभ के लिए क्वालीफाई करना है. उन्होंने कहा, 'इस साल हमारे पास दो बड़े टूर्नामेंट, ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप और विश्व चैम्पियनशिप होनी हैं. साथ ही ओलम्पिक क्वालीफाइंग भी हैं. हमारा मुख्य लक्ष्य अच्छी रैंकिंग हासिल करना होगा ताकि हम ओलम्पिक के लिए बड़ी टीम के साथ क्वालीफाई कर सकें.'

दुष्कर्म मामले में रोनाल्डो की मुश्किल बढ़ी, देना होगा डीएनए टेस्ट

लास वेगास: पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को दुष्कर्म के एक मामले में डीएनए टेस्ट देना पड़ सकता है. अमेरिकी पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए रोनाल्डो के डीएनए सैंपल की मांग की है. रोनाल्डो अभी इटली के क्लब युवेंटस के लिए खेल रहे हैं. यूएस पुलिस ने पुर्तगाली खिलाड़ी के डीएनए सैंपल के लिए इटली में मौजूद अधिकारियों को वारंट भेजा है.

लास वेगास पुलिस की प्रवक्ता लौरा मेल्टजर के हवाले से बताया, 'एलवीएमपीडी (लास वेगास मेट्रोपॉलिटन पुलिस डिपार्टमेंट) डीएनए सबूत को एकत्रित करने के लिए इस मामले में वही कदम उठा रही है, जो वह किसी अन्य यौन उत्पीड़न के मामले में उठाती.' उन्होंने कहा, 'हम इसकी पुष्टि कर सकते हैं कि इटली में मौजूद अधिकारियों को एक आधिकारिक अनुरोध भेजा गया है.'

रोहित की शतकीय पारी सिडनी में फेल, 34 रनों से ऑस्ट्रेलिया ने दी मात

सिडनी (एजेंसी)।

बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद झाय रिचर्डसन की तूफानी गेंदबाजी से आस्ट्रेलिया ने पहले एकदिवसीय मैच में शनिवार को यहां भारत को 34 रन से हराकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1000वीं जीत दर्ज की। आस्ट्रेलिया के 289 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम रिचर्डसन (26 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने रोहित शर्मा (133) के 22वें शतक के बावजूद नौ विकेट पर 254 रन ही बना सकी। पदार्पण कर रहे जेसन बेहरेनडोर्ड ने 39 जबकि मार्कस स्टोइनिस ने 66 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। रोहित ने 129 गेंद की अपनी पारी में 10 चौके और छह छक्के मारे। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी (51) के साथ चौथे विकेट के लिए उस समय 137 रन की साझेदारी की जब भारत चार रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद संकट में था। भारतीय टीम हालांकि इस खराब शुरूआत से नहीं उबर सकी और रन गति के लिहाज से कभी लक्ष्य हासिल करने के करीब नहीं दिखी। इससे पहले आस्ट्रेलिया ने पीटर हैंड्सकोंब (73), उस्मान ख्वाजा (59) और शान मार्श (54) के अर्धशतक से पांच विकेट पर 288 रन बनाए।

हैंड्सकोंब ने 61 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और दो चौके मारे। उन्होंने स्टोइनिस (43 गेंद में नाबाद 47, दो छक्के, दो चौके) के साथ पांचवें विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी भी की जिससे टीम अंतिम सात ओवर में 80 रन जोड़ने में सफल रही। भारत की ओवर से कुलदीप यादव ने 54 जबकि भुवनेश्वर कुमार ने 66 रन देकर दो विकेट चटकाए। रविंद्र जडेजा ने 48 रन देकर एक विकेट हासिल किया। मोहम्मद शमी ने 10 ओवर में सिर्फ 46 रन खर्च किए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। फरवरी 2017 से 24 एकदिवसीय मैचों में यह आस्ट्रेलिया की सिर्फ चौथी जीत है। लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत की शुरूआत बेहद खराब रही और उसने चौथे ओवर में चार रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए। बेहरेनडोर्फ ने पहले ओवर की अंतिम गेंद पर शिखर धवन (00) को पगबाधा किया जबकि रिचर्डसन ने अपने दूसरे ओवर में विराट कोहली (03) को स्टोइनिस के हाथों कैच कराने के बाद अंबाती रायुडू (00) को पगबाधा किया। रायुडू ने डीआरएस का भी सहारा लिया लेकिन उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा।

सलामी बल्लेबाज रोहित 17 गेंद तक खाता नहीं खोल पाए। उन्होंने फ्री हिट पर छक्के के साथ 18वीं गेंद पर खाता खोला। धोनी ने एक रन बनाते ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए 10000 रन पूरे किए। धोनी ने 173 रन एशिया एकादश की ओर से भी बनाए हैं। भारत ने शुरूआती 10 ओवर में तीन विकेट पर 21 रन बनाए। रोहित ने इसके बाद पीटर सिडल पर छक्का जड़ा जो 2010 के बाद पहला वनडे खेल रहे थे। धोनी ने भी नाथन लियोन की गेंद को दर्शकों को बीच पहुंचाया। रोहित ने लियोन पर छक्के के साथ 17वें ओवर में टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया जबकि धोनी ने 21वें ओवर में सिडल पर पारी का पहला चौका जड़ा।

धोनी 25 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब स्टोइनिस की गेंद पर सिडल उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। रोहित ने सिडल पर अपना पहला चौका जड़ा और फिर मैक्सवेल पर चौके के साथ 62 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। धोनी ने स्टोइनिस पर चौके के साथ 93 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन इसके बाद बेहरेनडोर्फ की गेंद पर पगबधा हो गए। रीप्ले में हालांकि दिखा की गेंद लेग साइड के बाहर पिच हुई थी लेकिन भारत के पास डीआरएस नहीं था। धोनी ने 96 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और एक छक्का मारा। रोहित 39वें ओवर में सिडल पर तीन चौकों के साथ 98 रन तक पहुंचे लेकिन दिनेश कार्तिक (12) रिचर्डसन की गेंद को विकेटों पर खेल गए। रोहित ने रिचर्डसन की गेंद पर दो रन के साथ 110 गेंद में शतक पूरा किया और फिर लियोन पर छक्के के साथ 43वें ओवर में स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। भारत को अंतिम छह ओवर में 76 रन की दरकार थी। रविंद्र जडेजा (08) ने रिचर्डसन की गेंद पर मार्श को कैच थमाया। रोहित भी इसके बाद स्टोइनिस की गेंद पर डीप मिडविकेट पर मैक्सवेल को कैच दे बैठे जिससे भारत की जीत की रही सही उम्मीद भी खत्म हो गई। भुवनेश्वर 29 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले आस्ट्रेलिया ने टास जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन तीसरे ओवर में ही भुवनेश्वर ने कप्तान आरोन फिंच (11) को बोल्ड करके 100वां विकेट हासिल किया।

सलामी बल्लेबाज एलेक्स कैरी (24) ने कुछ आकर्षक शाट खेले लेकिन 10वें ओवर में कोहली ने जब गेंद कुलदीप यादव को थमाई तो कैरी इस चाइनामैन स्पिनर स्पिनर पर चौका जड़ने के बाद स्लिप में रोहित को कैच दे बैठे। ख्वाजा और मार्श ने 92 रन जोड़कर

पारी को संवारा। ख्वाजा ने जडेजा पर चौके के साथ 23वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया और फिर खलील की गेंद पर एक रन के साथ 70 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। वह हालांकि इसके बाद अधिक देर नहीं टिक सके और जडेजा की गेंद को स्वीप करने की कोशिश में पगबाधा हो गए। उन्होंने 81 गेंद का सामना करते हुए छह चौके मारे। मार्श को हैंड्सकोंब के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला। दोनों ने रन गति में इजाफा किया। हैंड्सकोंब ने भुवनेश्वर पर लगातार दो चौके मारे जबकि मार्श ने खलील पर चौके के साथ 65 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। कोहली ने एक बार फिर साझेदारी तोड़ने के लिए कुलदीप पर भरोसा किया और इस स्पिनर ने मार्श को लांग आन पर शमी के हाथों कैच कराके चौथे विकेट की 53 रन की साझेदारी का अंत किया।

मार्श ने 70 गेंद का सामना करते हुए चार चौके मारे। हैंड्सकोंब ने स्टोइनिस के साथ मिलकर 42वें ओवर में टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। इस बीच 45 गेंद तक कोई बाउंड्री नहीं लगी। स्टोइनिस ने कुलदीप पर छक्के के साथ बाउंड्री के सूखे को खत्म किया। हैंड्सकोंब ने भी इसी ओवर में छक्के के साथ सिर्फ 50 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। हैंड्सकोंब ने भुवनेश्वर के ओवर में दो चौके मारे। इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में वह हालांकि भाग्यशाली रहे जब फाइन लेग पर गेंद रायुडू के हाथ से टकराकर छह रन के लिए चली गई। वह हालांकि अगली ही गेंद पर एक्सट्रा कवर पर धवन को कैच दे बैठे। स्टोइनिस ने भुवनेश्वर के पारी के अंतिम ओवर में छक्का और चौका जड़ा। ग्लेन मैक्सवेल 11 रन बनाकर नाबाद रहे।

ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद बोले कोहली, शुरुआती विकेट गंवाना पड़ा महंगा

सिडनी (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को यहां पहले एकदिवसीय मैच में मिली हार के बाद कहा कि लक्ष्य का पीछा करते हुए पारी की शुरूआत में ही तीन विकेट गंवाना टीम को महंगा पड़ा। कोहली ने मैच के बाद कहा, 'हम जिस तरह से खेले उससे मैं खुश नहीं हूं। मुझे लगता है कि हमने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया। इस पिच पर 300 से अधिक रन बन सकते थे। हमें लगा कि 288 (जीत के लिए 289) रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है लेकिन शुरूआत में ही तीन विकेट गंवा देना अच्छा नहीं रहा।'

आस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में भारत को 34 रन से हराकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1000वीं जीत दर्ज की। आस्ट्रेलिया के 289 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम रिचर्डसन (26 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने रोहित शर्मा (133) के 22वें शतक के बावजूद नौ विकेट पर 254 रन ही बना सकी। भारतीय कप्तान ने शतकीय पारी खेलने वाले सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की तारीफ करने के साथ ही कहा की अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी गलत समय आउट हो गये।

उन्होंने कहा कि रोहित ने शानदार पारी खेली और धोनी ने उनका सही तरीके से साथ दिया लेकिन मुझे लगता है कि हम और अच्छा कर सकते थे। दोनों मैच को काफी आगे तक लेगये जहां से हमारे लिए मौका बन सकता था लेकिन धोनी गलत समय आउट हो गये। धोनी के आउट होने के बाद रोहित पर दबाव बढ़ गया और इसके बाद हम कोई साझेदारी नहीं बन सके। आस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने युवा तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि युवा झाय आत्मविश्वास से लबरेज थे। उनका भविष्य उज्ज्वल है। सुधार की हमेशा गुंजाइश रहती है।

उन्होंने कहा टीम ने सही समय पर विकेट लेकर मैच में दबदबा बनाये रखा। फिंच ने कहा, 'हमें पता था कि वे मैच को आखिरी ओवरों तक खिंचने की कोशिश करेंगे और हम भाग्यशाली रहे की विकेट ले सके और उन्हें रोक सके। कोई भी टीम शुरूआत में तीन विकेट गंवा कर दबाव में आ जाएगी और तीन बड़े बल्लेबाजों का विकेट लेना जरूरी था।' उन्होंने बल्लेबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि उस्मान ख्वाजा और शान मार्श की साझेदारी के बाद पीटर हैंड्सकाम्ब ने शानदार बल्लेबाजी की। मैन ऑफ मैच रहे रिचर्डसन ने कहा कि बल्लेबाजो को भी श्रेय जाता है जिन्होंने बड़ा स्कोर बनाया। लेकिन जैसा फिंच ने कहा शुरूआत में तीन विकेट लेना शानदार रहा। कोहली का विकेट मेरे लिए सबसे कीमती था।

वेस्टइंडीज दौरे से इंग्लैंड करेगा 'महत्वपूर्ण' साल का आगाज

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड पिछले कुछ वर्षों के अपने क्रिकेट के सबसे महत्वपूर्ण साल की शुरूआत वेस्टइंडीज दौरे से करेगा जहां टीम को तीन टेस्ट और पांच एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेलनी है। यह साल इंग्लैंड के लिए काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे एकदिवसीय विश्वकप के साथ एशेज की मेजबानी करेंगे। टीम अब तक एक बार भी एकदिवसीय विश्व कप का खिताब जीतने में सफल नहीं रही है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टाम हैरिसन भी मानते हैं कि इंग्लैंड क्रिकेट के लिए यह 'पीढ़ी में एक बार' जैसा मौका है।

वेस्टइंडीज दौरे की शुरूआत अगले सप्ताह वेस्टइंडीज बोर्ड एकादश के खिलाफ बारबडोस में अभ्यास मैच से होगी। जो रूट की अगुवाई वाली टेस्ट टीम आईसीसी रैंकिंग में दूसरे पायदान पर है तो वही इयोन मोर्गन के नेतृत्व वाली एकदिवसीय टीम शीर्ष पर है। वेस्टइंडीज की टीम टेस्ट रैंकिंग में आठवें जबकि एकदिवसीय रैंकिंग में नौवें स्थान पर है। टेस्ट में इंग्लैंड की टीम शानदार लय में है जिसने श्रीलंका में श्रृंखला जीतने के साथ अपने घर में भारत को 4-1 से मत दी थी। टीम हालांकि वेस्टइंडीज में 1968 के बाद सिर्फ एक बार टेस्ट श्रृंखला में जीत हासिल कर सकी है। माइकल वान की कप्तानी में टीम ने 2004 में 3-0 से श्रृंखला अपने नाम की थी।

ऑस्ट्रेलिया 1000 मैच जीतने वाला पहला देश बना, भारत को 122वीं बार हराया

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया ने 2019 की जीत से शुरुआत करते हुए अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. उसने शनिवार (12 जनवरी) को सिडनी में खेले गए वनडे मैच में भारत को 34 रन से हराया. इसके साथ ही वह ऑस्ट्रेलिया 1000 इंटरनेशनल मैच जीतने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है. ऑस्ट्रेलिया एकमात्र टीम है, जिसने 800 से अधिक इंटरनेशनल मैच जीते हैं. इंग्लैंड की टीम 774 जीत के साथ दूसरे नंबर पर है.

559 वीं बार जीता वनडे मुकाबला

ऑस्ट्रेलिया की टीम ने टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में सबसे अधिक मैच जीतने वाली टीम है. उसने अब तक 1853 इंटरनेशनल मैच खेले हैं. इनमें 818 टेस्ट, 921 वनडे और 114 टी20 मैच शामिल हैं. ऑस्ट्रेलिया ने इनमें से 384 टेस्ट, 559 वनडे और 58 टी20 मैच जीते हैं. टेस्ट और वनडे में जीत के मामले में वह दुनिया में नंबर-1 है. टी20 मैच जीतने के मामले में वह चौथे नंबर पर है. उसने 114 में से 58 टी20 मैच जीते हैं. पाकिस्तान ने सबसे अधिक 89 टी20 मैच जीते हैं. सबसे अधिक टी20 मैच जीतने के मामले में भारत (69) तीसरे और दक्षिण अफ्रीका (63) चौथे नंबर पर है.

भारत को 122 वीं बार हराया

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच तीनों फॉर्मेट को मिलाकर 244 मैच खेले गए हैं. इनमें से 122 मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं. जबकि, भारत ने 84 मैच जीते हैं. दोनों देशों ने एक मैच टाई खेला है, 26 टेस्ट मैच ड्रॉ रहे हैं और 11 मैच रद्द हो गए. तीनों फॉर्मेट को मिलाकर बात करें तो ऑस्ट्रेलिया ने सबसे अधिक 234 बार इंग्लैंड को हराया है. इसके अलावा वेस्टइंडीज को 136, न्यूजीलैंड को 128, दक्षिण अफ्रीका को 111 और पाकिस्तान को 100 बार हरा चुका है. श्रीलंका की टीम ऑस्ट्रेलिया से 82 बार हार चुकी है.

28 टीमें खेल चुकी हैं इंटरनेशनल मैच

विश्व क्रिकेट की बात करें तो अब तक सिर्फ 25 देश ही आईसीसी से टेस्ट, वनडे या टी20 क्रिकेट में से किसी ना किसी फॉर्मेट खेलने का दर्जा हासिल कर सके हैं. इनमें से 12 देशों को टेस्ट क्रिकेट खेलने का दर्जा हासिल है. बाकी 13 देशों को अलग-अलग समय पर वनडे खेलने का दर्जा मिलता रहा है, जो खराब प्रदर्शन के बाद वापस भी ले लिया जाता है. इन 25 देशों के अलावा आईसीसी XI, एशिया XI और अफ्रीका XI भी इंटरनेशनल मैच खेल चुकी हैं.

क्रिकेटरों से जुड़े मामले में राय चाहते हैं 'जल्द हो जांच', इडुल्जी को 'लीपापोती' का डर

नयी दिल्ली। बीसीसीआई की प्रशासकों की समिति के प्रमुख विनोद राय निलंबित क्रिकेटरों हार्दिक पंड्या और लोकेश राहुल के टेलीविजन कार्यक्रम में महिलाओं को लेकर की गयी अनुचित टिप्पणी मामले में जल्द सुनवायी चाहते हैं लेकिन डायना इडुल्जी को लग रहा कि ऐसा होने पर मामले में 'लीपापोती' होने की संभावना है। प्रशासकों की दो सदस्यीय समिति में इस मामले की जांच के तरीके पर भी मतभेद है। पंड्या और राहुल ने टीवी कार्यक्रम 'कॉफी विद करण' में महिलाओं को लेकर अनुचित टिप्पणी की थी जिसके बाद उन्हें मामले की जांच जारी रहने तक निलंबित कर दिया गया था। दोनों खिलाड़ियों के शनिवार या फिर रविवार सुबह तक भारत पहुंचने की संभावना है। इडुल्जी और राय के बीच ईमेल के जरिये हुई बातचीत में इडुल्जी ने बीसीसीआई के सीईओ राहुल जौहरी के मामले की शुरूआती जांच करने पर आशंका जताई। इडुल्जी के मुताबिक जौहरी खुद यौन उत्पीड़न के मामले में फंसे थे और इससे जांच में लीपापोती की जा सकती है। इडुल्जी के उलट राय चाहते हैं कि मामले की जांच दूसरे एकदिवसीय से पहले पूरी कर ली जाए क्योंकि इसमें देरी से टीम की मजबूती पर असर पड़ेगा। राय का मानना है कि जांच जल्दी पूरी की जानी चाहिए क्योंकि टीम में खिलाड़ियों की संख्या 15 से 13 हो गयी है। राय ने लिखा, ''हमें दूसरे एकदिवसीय तक फैसला कर लेना चाहिए क्योंकि हम किसी खिलाड़ी के अशिष्ट व्यवहार से टीम को कमजोर नहीं कर सकते।' डुडुल्जी ने राय के जल्दी जांच करने की मांग पर कहा, 'हमें जांच करने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए क्योंकि इससे ऐसा लगेगा की मामले की लीपापोती की जा रही है।' बीसीसीआई की विधि टीम ने इस मामले में तदर्थ लोकपाल की नियुक्ति की मांग की जबकि राय इसमें न्याय मित्र का विचार जानना चाहते हैं। डुडुल्जी चाहती हैं कि सीओए और पदाधिकारी जांच का हिस्सा बनें क्योंकि सीईओ की मौजूदगी को 'गलत नजरिये' से देखा जाएगा।

स्टीवन स्मिथ हुए चोटिल, पीएसएल में खेलना संदिग्ध, सर्जरी की सलाह

कराची। ऑस्ट्रेलिया के निलंबित कप्तान स्टीवन स्मिथ का कोहनी में चोट लगने के कारण बांग्लादेश प्रीमियर लीग के बाद पाकिस्तान सुपर लीग में खेलना भी संदिग्ध है। स्मिथ ने पीएसएल के छठी फ्रेंचाइजी मुल्तान सुल्तान्स से यूएई में खेले जाने वाले मैचों के लिए करार किया है, लेकिन चोट के बाद उन्हें छह सप्ताह के आराम की सलाह दी गई है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्मिथ पर गेंद से छेड़छाड़ के आरोप के बाद एक साल का प्रतिबंध लगाया था जो मार्च में खत्म होगा। बांग्लादेश प्रीमियर लीग में कोमिला विक्टोरियन्स की ओर से खेलते हुए वे अपनी कोहनी को चोटिल कर बैठे। स्मिथ को कोहनी की सर्जरी की सलाह दी गई है।

जनजातीय क्षेत्रों में चिकित्सा शिविरों की योजना गरीब और आदिवासी रोगियों के लिए आशीर्वादः गणपत सिंह वासावा

सूरत। राज्य सरकार में अमृतम और केंद्र सरकार आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से गरीबों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राज्य के 12 जिलों में आंगनवाड़ी और ग्रबवती महिलाओं के बच्चों को पौष्टिक खाद्यान्न की आपूर्ति करके कुपोषण के खिलाफ राज्य सरकार की मुहिम में सुमुल डेयरी का योगदान है। मंगरोल तालुका के तट पर हजारों मरीजों को जनजातीय क्षेत्रों में चिकित्सा शिविरों के माध्यम से नि: शुल्क चिकित्सा प्रदान की गई। सुमूल डेयरी, किरण अस्पताल और रोटरी आई इंस्टीट्यूट, नवसारी एक व्यक्ति न्यायाधिकरण गणपति सिंह वसावा ने संयुक्त उद्यम में सभी निदान और नेत्र शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा कान-नाक, गला, मस्तिष्क, गुर्दे, मानसिक रोग, बाल रोग, शल्य चिकित्सा, संयुक्त हड्डी रोग, मेडिकल शिविर में पेट के रोग, हृदय रोग और कैंसर जैसे रोगों का निदान और उपचार किया गया। वनखाववव तालुका में शिविर में विभिन्न बीमारियों के निदान और उपचार से 4,000 से अधिक रोगियों को लाभ हुआ। भारी बेरोजगार निवासियों को मुफ्त चिकित्सा और उपचार किया गया।

सुरत के लिंबायत और डिंडोली विस्तार में जय गुरूदेव धार्मिक सत्संग कार्यक्रम का आयोजन

सूरत। मकरशंक्राति के पावन परव पर लिंबायत के संजय नगर गली नं. 8 में विठ्ठल रूकमणी मंदीर के सामने जय गुरूदेव चौक पर सत्संग एवं सोभा यात्रा और जाहेर भंडारे का ओजन 15 जनवरी को किया गया है। चुनी लाल कोली ने बताया की सभी धर्म प्रेमीयों के लिए खुशी की बात है कि जय गुरूदेव धार्मिक सत्संग, शाकाहारी प्रचार व व्यसनमुक्ती के वक्ता श्री भभूत अन्ना जी, पितांबर दादा, श्रीमती अर्चन ताई, समाधान भाई, श्री सुशील सिंग साहेब लिंबायत और डिंडोली के प्रियका टाउनशीप विभाग-2 में बाबा जय गुरूदेव के सत्संग प्रमी भक्तो को संबोधित करेंगे डिंडोली में 16 जनवरी को सत्संग और भंडारे का कार्यक्रम रखा गया है। अभिषेक प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया की शाकाहारी प्रचार का समय 4:30 से 5:30 तक और प्रार्थना विनती का समय 5:30 से 6:00, सत्संग संदेश क समय 6 से 8 उसके उपरांत प्रसाद भोजन का कार्यक्रम रखा गया है।

सूरत। शहर पुलिस के आला अधिकारियों द्वारा बाइक सवारों की मांझे से सेफ्टी के लिए रविवार को बाइकों पर लोहे के सरिये मुफ्त में लगाए गए।

पतंगबाजों में उत्तरायण पर्व को लेकर भारी उत्साह दिखेगा

आज आकाश में पतंगबाजी का युद्ध : काई पो छे..शोर सुनाई देगा

विभिन्न तरह के रंगबिरंगी आकर्षक पतंगों से आकाश भरा दिखाई देगाः घरों की छतों पर भीड़ होगीः तरह तरह के नास्तों को लेकर भी लोगों में जोरदार क्रेज

अहमदाबाद । मकरसंक्राति पर पतंगप्रेमियों में जोरदार उत्साह दिखाई दे रहा है । गत वर्ष की तुलना में इस साल पतंग-दोरी के भाव में २० प्रतिशत की वृद्धि होने के बावजूद बाजारों में जोरदार बिक्री देखी जा रही है । शहर में पतंग और दोरी के स्टोल पर लोगों की भारी भीड़ देखी गई । इस साल पतंग के भाव अधिक होने के बावजूद पतंगप्रेमियों की भीड़ के कारण व्यापारियों ने भी कम मुनाफे से माल बेचना शुरू कर दिया । मकरसंक्राति का पर्व दान, पुण्य और खुले आकाश में रंगबेरंगी पतंग उड़ाने का पर्व है । इस दिन लोग पूरे दिन छत पर जाकर पतंग उड़ाने के साथ-साथ उंधीयु, जलेबी का लुत्त उठाते है। रविवार को लोग सुबह से ही छत पर चढ़ जाएंगे । पतंग की तरह इस साल उंधीयुं और जलेबी के भाव में भी वृद्धि दिखाई दे रही है । मकरसंक्रांति का पर्व दान और पुण्य करने का दिन माना जाता है। इस दिन लोग कई दान, पुण्य का भी काम करते है। बच्चे और वृद्ध में भी मकरसंक्राति का भारी उत्साह दिखाई दे रहा है। आज आकाश रंगबेरंगी पतंगो से छा जाएगा । इतना ही नहीं छतो पर म्युजीक सिस्टम भी लगाए जाएंगे जिसके कारण दिनभर लेटेस्ट सॉन्ग सुनाई देंगे । इतना ही नहीं काई पो छे.....लपेट..... बिगुल का शोर भी सुनाई देगा । पतंग प्रेमियों ने पतंग व दोरी खरीदने तथा रंगा कर उतरायण के लिए अपनी तैयारी कर ली है । तो वहीं स्वाद के शौकिनों ने उंधीयु और जलेबी कहां से लाना है इसकी भी प्लानींग कर दी है । तो महिलाओं ने तील, गुड़ के लड्डु बना लिए है । मिली जानकारी के अनुसार शहर में स्थित दुकान के व्यापारियों ने मकरसंक्राति को लेकर विविध सब्जी की खरीदी कर उंधीयु तैयार कर बिक्री के लिए रखने की तैयारी कर ली है । महंगाई के साथ-साथ सब्जियों के भाव इस समय अधिक होने से उंधीयु के भाव में भी वृद्धि दिखाई दे रही है । इस साल गत वर्ष की तुलना में २५० से लेकर ३०० रुपए तक उंधीयुं का भाव है । मकरसंक्राति को गन्ने का भी वितरण किया जाता है। लेकिन जहां गन्ने की अच्छी फसल होती है ऐसे धानधार क्षेत्र में अब गन्ने की फसल का नामोनिशान नहीं रहा है । मकरसंक्राति पर दान, पुण्य का भी विशेष महत्व रहा है। इस दिन लोग गाय को चारा खिलाते है।

उत्तरायण शुभ मूर्हुत के तौर पर भी

सूर्य दक्षिण में से उत्तर दिशा की और जाता है

अहमदाबाद,१३जनवरी।

उत्तरायण त्यौहार के पीछे का विशेष कारण यह माना जाता है कि सूर्य खुद दक्षिण से उत्तर की तरफ जाते है और यह समय का सूर्य प्रकाश शरीर के लिए काफी अच्छा साबित होता है। विभिन्न धर्मों की मान्यता अलग-अलग तरीके से ज ुड़ी हुई है । ज्योतिष शास्त्र का कहना है कि सूर्य एक राशि में से दूसरी राशि स्थानांतरित करता है इस अनुसार वर्ष में कुल १२ सक्रांति होते हैं। लेकिन सूर्य धनु राशि में से मकर राशि में प्रवेश करते है तब उत्तरायण शुरू होता है । क्योंकि यह समय सूर्य पृथ्वी की आसपास की घूमने की दिशा में भी परिभ्रमण होता है। सूर्य उत्तर दिशा की तरफ जाता है। सूर्य उत्तर की तरफ जाते होने से यह दिन को उत्तरायण के तौर पर जाना जाता है।

मां शाकम्भरी मंगलपाठ एवं विशाल भजन संध्या

सूरत। मां शाकम्भरी सेवा समिति द्वारा 10वां वार्षिक उत्सव के मौके पर मां शाकम्भरी मंगल पाठ एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन रविवार को दोपहर 3 बजे से सिटी लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन के पंचवटी हाल में किया गया।

इस अवसर पर कोलकता के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा मां का भव्य एवं आलौकिक दरबार मुख्य धाम सकराय के प्रतिकृति रुप में सजाया गया एवं फलों व सब्जियों से श्रृंगार किया गया। श्रृंगारित दरबार के समक्ष अखण्ड ज्योत प्रज्जवलन के साथ भजन संध्या की शुरुआत हुई। जिसमें सूरत के सत्तुजी राधे राधे ने एक से बढकर एक भजनों एवं धमाल की प्रस्तुति दी। मां शाकम्भरी मंगल पाठ का वचन कोलकाता की सुप्रसिद्ध जोड़ी सौरभ-मधुकर ने किया। पाठ के दौरान विभिन्न प्रसंगों पर कोलकाता के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा नृत्य नाटिका की प्रस्तुती दी गई। पाठ के दौरान समिति द्वारा मेहन्दी उत्सव मनाया गया एवं चुनडी महोत्सव के दौरान समिति के सदस्यों द्वारा भजन गाते हुए मां को चुनड़ी अर्पण की गई। आयोजन के दौरान पुरा हांल भक्तों से खचा खच भरा हुआ था। आयोजन में मंच का संचालन विपिन गुप्ता द्वारा किया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)